महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

राष्ट्रीय सेवा योजना - कार्यक्रम अधिकारी

क्र.सं.	कार्यक्रम अधिकारी का नाम	नियुक्ति तिथि	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	दूरभाष नं.
1.	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह (गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई)	18.12.2015	18.12.2015	9450489652
2.	डॉ. यशवन्त कुमार राव (महाराणा प्रताप इकाई)	18.12.2015	18.12.2015	9198540757

प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वच्छ, साक्षर और स्वस्थ गाँव की ओर

युवाओं में असीम शक्ति और क्षमता होने के कारण उनके द्वारा किसी भी देश का भाग्य बदला जा सकता है। यह सुखद संतोष का विषय है कि भारत विश्व में युवाओं की संख्या की दृष्टि से सर्वोच्च है। जरूरत है युवाओं का सही मार्गदर्शन। इस दृष्टि से उच्च शिक्षण संस्थाओं, जहाँ युवाओं का चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण होता है, की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाती है। युवाओं में चिंतन और दृष्टि पैदा कर उनको सक्षम बनाया जा सकता है। इसीलिए अब राष्ट्रीय सेवा योजना मात्र कार्यक्रम नहीं है बल्कि इसे मिशन के रूप में स्वीकार किया जाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक, स्वयं सेविकाओं ने अध्ययन–अध्यापन के साथ–साथ श्रम एवं सेवा का पाठ सफलतापूर्वक पढ़ा है। वर्ष भर सम्पन्न विभिन्न अकादमिक–सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियाँ इस बात की प्रमाण है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, प्रभारी एवं प्राचार्य की दृष्टि और उद्देश्य स्पष्ट है। अतः उनके निर्देशन में पूरे सत्र स्वयं सेवक–स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर, अभिगृहित गाँव, आस–पास के क्षेत्र में श्रमदान एवं विविध सामाजिक–राष्ट्रीय मुद्दों पर जन–जागरण के अभियान का हिस्सा बनकर स्वयं सीखा और औरों को सिखाया भी। जीने की राह देखी भी–दिखाया भी। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रस्तुत वार्षिक रपट जीवन–यात्रा के आभ्यंतर पक्ष के विकास का मूल्यांकन तो प्रस्तुत नहीं कर सकती किन्तु उस विकास के लिए किए गए प्रयत्नों का दर्पण अवश्य है। हमारा विश्वास है कि यदि निश्चित उद्देश्य, स्पष्ट दृष्टि और पूर्ण निष्ठा से कार्य किया गया है तो उसके परिणाम अवश्य होंगे, तथापि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन (कर्त्तव्य करने ही हमारा अधिकार है परिणाम की चिन्ता करना नहीं) के मंत्र में श्रद्धा के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की सत्र २०१५–१६ की वार्षिक रपट प्रस्तुत है। वर्ष भर के प्रयत्नों का लेखा–जोखा भारत–माता की चरणों में समर्पित है।

हमें विश्वास है कि यह रपट अगले सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य प्रणाली को निरन्तर निखारने में अनुभव का कार्य करेगी। श्रम साध्य इस रपट को तैयार करने में यथासामर्थ्य सहयोग करने वाले महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार।

गोरखपुर के सांसद महंत् योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा गोद
लिए गये सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही गोरखपुर में
25.05.2015 से 04.07.2015 तक सम्पन्न साक्षरता अभियान के पहले पड़ाव पर
गरिमामयी उपस्थिति

सम्पूर्ण साक्षरता की ओर बढ़ते कदम

स्वामी विवेकानन्द पूण्यतिथि समारोह : व्याख्यान एवं पौधारोपण

4 जुलाई 2015 को युवा सन्यासी राष्ट्रसंत विवेकानन्द की पूण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित समारोह को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन प्रदिप्त सहत्रोवर्ष तक न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण मानवता का मार्ग दर्शन करता रहेगा। उन्होंने राष्ट्र की जो परिकल्पना प्रस्तुत की है, वही उसके जीवन्तता का आधार है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने भी अपना विचार रखते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने अपना सम्पूर्ण जीवन भारत माता की सेवा में समर्पित करते हुए, युवाओं को राष्ट्रीयता का जो सन्देश दिया वह आज भी अमर है। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने भी अपने–अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. अभय श्रीवास्तव, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, डॉ. आरती सिंह आदि उपस्थित रहें।

इससे पूर्व स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रकृति की संरक्षा करने वाले अमूल्य पौधों का रोपण राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित महाविद्यालय के शिक्षक स्वयं सेवक/स्वयं सेविकांओं ने नीम, पीपल, जामून, बरगद, पाकड़ इत्यादि के पौधों का रोपण किया।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर। शनिवार • 4 जुलाई • 2015

पौधरोपण आज

गोरखपुर (एसएनबी)। महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 4 जुलाई को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रातः 9 बजे से पौधरोपण किया जाएगा। यह जानकारी डॉ. राजेश शुक्ल ने दी।

समाचार पत्रों में...

आज

गोरखपुर, रविवार ५ जुलाई २०१५

स्वामी विवेकानन्द का जीवन युवाओं के लिये आदर्श

गोरखपुर, ४ जुलाई। भारतीय संस्कृति के प्रतीक पुरूष स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि आज विभिन्न संगठनों ने ससमारोह मनाया।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में पुण्य तिथि पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पौधरोपण का आयोजन किया गया। पौधरोपण के पश्चात स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित व्याख्यान में बोलते हुए प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का पूरा जीवन अपनी मातृभूमि और मानवता को समर्पित रहा है। स्वामी विवेकानन्द का जीवन किसी भी युवा के लिये आदर्श है। स्वामी विवेकानन्द प्रकाशपुंज की तरह आज भी प्रकाशित हैं व भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक एवं भारत माता को ही देवी मानकर पूजा करने वाले अद्वितीय साधक थे।

डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के भौतिकवादी जीवन और बाजारवादी व्यवस्थ ने न केवल पर्यावरण और समाज को प्रभावित किया है बल्कि स्वस्थ जीवन के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में बनकर उभरा है। हमें उनके विचारों की अनुभूति कर लेने की आवश्यकता है जो जीवन निर्माण, मनुष्य निर्माण तथा चरित्र निर्माण में सहायक हों। हमें तो ऐसी शिक्षा चाहिये जिससे चरित्र बने, मानसिक वीर्य बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। हरे भरे पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन शैली से हो रहे नुकसान को कम करने में रक्त संचार का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन सुबोध मिश्र ने किया तथा इस अवसर पेर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक धनंजय, अनुराग त्रिपाठी, अनिकेत कुमार सिंह, संतोष कुमार निषाद आदि ने पौध रोपण किया।

विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान रहमतनगर मानीराम में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुये डा. वेद प्रकाश पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य किसान पीजी कालेज ने कहा कि स्वामी जी का व्यक्तित्व उनकी ओजस्वी वाणी, विद्वता व भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण आज भी हुये प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने जाति पाति उंच नीच छोटे बड़े के भेदभाव, संकीर्णता, पाखंड, स्वार्थ से बचते हुए चरित्र निर्माण कर्म की प्रधानता की शिक्षा दी। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के प्राचार्य बृजेश मणि मिश्र ने कहा कि स्वामी जी एक आदर्श कल्पनाशील भारतीय संस्कृति के पैरोकार एवं महान देश भक्त थे। उनके विचारों में कर्म करना एवं कर्म करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति, वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्व धर्म संभाव की भावना मिश्रित थी। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता स्मिता दास एवं आभार ज्ञापन प्रवक्ता विजय रंजन तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता अभिषेक कुमार, रूबी, रूपा, आकांक्षा, केशव, उमाराम, गौतम, संजीव, चंडी आदि उपस्थित थे।

पायनियर

लखनऊ, रविवार, 5 जुलाई, 2015

स्वामी विवेकानन्द का जीवन मातृभूमि व मानवता को समर्पित: डॉ. प्रदीप

गोरखपुर। आज के भौतिकवादी जीवन और बाजारवादी व्यवस्था ने न केवल पर्यावरण और समाज को प्रभावित किया है बल्कि स्वस्थ जीवन के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में बनकर उभरा है। स्वस्थ और सुन्दर भारत की परिकल्पना भारत के महापुरूषों का ध्येय रहा है। उन महापुरूषों में से एक स्वामी विवेकानन्द का पूरा जीवन अपनी मातृभूमि और मानवता को समर्पित रहा है। राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हरे-भरे पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवनशैली से हो रहे नुकसान को कम करने में रक्त संचार का कार्य करते हैं। यह बातें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कही। इस

अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं स्वयं सेवकों/सेविकाओं द्वारा परिसर में आंवला, नीम, पीपल सहित सागौन के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सभी स्वयं सवकों ने यह संदेश दिया कि प्रत्येक परिवार को विशेष अवसरों पर आनन्द को जागृत करने के लिए पौधारोपण के रूप में मनाना चाहिए, क्योंकि हरी-भरी पृथ्वी आज के इस संकटकालीन समय में स्वस्थ जीवन की संजीवनी है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम में स्वयं सेवक धनन्जय, अनुराग त्रिपाठी, अनिकेत कुमार सिंह, संतोष कुमार निषाद, अभिषेक चौधरी, फजले अख्तर, सूरज कुमार पाल, दयाराम निषाद, अनस खान, राहुल सिंह, आशीष राय, अनुपम त्रिपाठी, श्रीमती अभिलाषा कौशिक, श्रीमती अमृता सिंह, अखिलेश्वर सिंह, श्रीमती कंचन सिंह, सुश्री प्रतिभा गुप्ता, राजनाथ सिंह, श्रीमती शालिनी चौधरी आदि ने पौधारोपण किया।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, रविवार, 05 जुलाई 2015

विवेकानन्द का जीवन मानवता को समर्पित : डा. राव

एमपी पीजी में विवेकानंद की पुण्यतिथि पर पौधारोपण का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा पौधारोपण का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक/सेविकाएं सहित सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया और कम से कम पांच पौधा सभी ने लगाये।

पौधारोपण के पश्चात स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित व्याख्यान में बोलते हुए प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का पूरा जीवन अपनी मातृभूमि और मानवता को समर्पित रहा है। स्वामी विवेकानन्द का जीवन किसी भी युवा के लिए आदर्श है। स्वामी विवेकानन्द प्रकाशपुंज की तरह आज भी प्रकाशित है व भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक एवं भारत माता को ही देवी मानकर पूजा करने वाले अद्वितीय साधक थे। भारत के कल्याण में ही अपना कल्याण देखने वाले स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि पर राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आज के भौतिकवादी जीवन और बाजारवादी व्यवस्था ने न केवल पर्यावरण और समाज को प्रभावित किया है बल्कि स्वस्थ जीवन के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में बनकर उभरा है।

कार्यक्रम का संचालन सुबोध मिश्र ने किया तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक धनंजय, अनुराग त्रिपाठी, अनिकेत कुमार सिंह, संतोष कुमार निषाद, अभिषेक चौधरी, फजले अख्तर, सूरज कुमार पाल, दयाराम निषाद, अनस खान, राहुल सिंह, आशीष राय, अनुपम त्रिपाठी, किसनदेव निषाद, नीरज शुक्ला, ज्योति शर्मा, नेहा कुमारी, प्रियंका शालिनी चौधरी आदि ने पौधारोपण किया।

कार्यशाला का आयोजन 10 को

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से एकदिवसीय एन-लिस्ट उपयोगकर्ता हेतु जागरूकता कार्यशाला महाविद्यालय के लिये यूजीसी इनफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कनसोर्टियम/एन-लिस्ट कार्यक्रम के अंतर्गत महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ एवं इनफार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र गांधीनगर गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित है। उक्त जानकारी महाविद्यालय के सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. राजेश शुक्ल ने दी।

अमर उजाला | प्रदेश

गोरखपुर | रविवार | 5 जुलाई 2015

पुण्यतिथि पर याद किए गए विवेकानंद

अमर उजाला ब्यूरो

कई शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रमों का आयोजन

गोरखपुर। स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शहर के कई संस्थानों ने शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से पौधरोपण किया गया। स्वयंसेवकों समेत शिक्षकों और कर्मचारियों ने इसमें हिस्सा लिया। पौधरोपण के बाद स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि भारत के कल्याण में अपने कल्याण की राह देखने वाले विवेकानंद की पुण्यतिथि पर राष्ट्रभक्ति की चर्चा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, सुबोध मिश्र ने भी संबोधित किया। डॉ. राजेश शुक्ल, धनंजय, अनुराग त्रिपाठी, अनिकेत कुमार सिंह, संतोष कुमार निषाद मौजूद रहे। विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान में संगोष्ठी आयोजित की गई। डॉ. वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि विवेकानंद का ओजस्वी व्यक्तित्व, मृदु वाणी और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण आज भी हमें प्रेरणा देता है। प्राचार्य बृजेश मणि मिश्र, महेश तिवारी, देवी प्रसाद, अमित ने भी संबोधित किया। संचालन स्मिता दास ने किया जबकि आभार ज्ञापन विजय रंजन तिवारी ने किया।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर। रविवार • 5 जुलाई • 2015

हरी-भरी पृथ्वी, स्वस्थ जीवन की संजीवनी

गोरखपुर (एसएनबी)। आज के भौतिकवादी जीवन और बाजारवादी व्यवस्था ने न केवल पर्यावरण और समाज को प्रभावित किया है बल्कि स्वस्थ जीवन के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में बनकर उभरा है। स्वस्थ और सुन्दर भारत की परिकल्पना भारत के महापुरुषों का ध्येय रहा है। उन महापुरुषों में से एक स्वामी विवेकानन्द का पूरा जीवन अपनी मातृभूमि और मानवता को समर्पित रहा है। यह बातें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं स्वयं सेवकी-सेविकाओं द्वारा परिसर में आंवला, नीम, पीपल व सागौन के पौधों का रोपण किया गया।

| next, Gorakhpur, 5 July 2015

पौधारोपण का किया गया आयोजन

GORAKHPUR: एमपीपीजी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर एनएसएस की तरफ से पौधारोपण का आयोजन किया गया. एनएसएस वालेंटियर्स समेत सभी टीचर्स और इंप्लाईज ने इस आयोजन में हिस्सा लिया. सभी ने कम से कम पांच पौधे लगाए. एनएसएस प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने बताया कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है.

पौधारोपण स्थल की सफाई करते कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवक

पौधारोपण स्थल की सफाई करते शिक्षक एवं स्वयं सेवक

पौधारोपण करते शिक्षक डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही

पौधारोपण करतीं शिक्षिकाएं एवं स्वयं सेविकाएं

पौधारोपण करते शिक्षक एवं स्वयं सेवक

व्याख्यान कार्यक्रम में प्राचार्य एवं शिक्षक

साक्षारता अभियान

गोरखपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही जो महाविद्यालय के बगल में स्थित है, को साक्षर बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री भिखारी प्रजापति की देखरेख में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के वर्तमान एवं भूतपूर्व स्वयं सेवकों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बल पर पूरा किया गया। 5 जुलाई 2015 को जंगल औराही पूर्ण साक्षर ग्राम बन गया। सांसद एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित भव्य समारोह में पूर्ण साक्षर गाँव की घोषणा हुई।

सांसद आदर्श गाँव में पूर्ण साक्षरता

साक्षर महिला साक्षात्कार देती हुई

चन्द्रशेखर आजाद जयंती समारोह

23 जुलाई 2015 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव कूट–कूट कर भरा जाना चाहिए। देश का दुर्भाग्य है कि अधिकतर युवा भारत की गौरवशाली इतिहास के वास्तविक रूप से वंचित है। आज भी विदेशी इतिहासकारों और विदेशी दृष्टिकोण रखने वाले भारतीय इतिहासकारों द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़ाई और समझायी जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि युवाओं में सामाजिक दायित्व भावना का बोध ही राष्ट्रीय भावना का संवाहक बनेगा। भारत को मजबूत बनाने में भारत का युवा अपना सर्वश्व न्यौछावर करने के लिए तैयार हो सके, इसके लिए उच्च शिक्षण संस्थानों की और विशेष रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका अनुकरणीय है। संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार तथा आभार पूर्व स्वंय सेवक श्री आशीष राय ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवक/स्वंय सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • शुक्रवार • 24 जुलाई 2015

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

विपरीत परिस्थितियों में न टूटने वाले थे आजाद

गोरखपुर | निज संवाददाता

विपरीत परिस्थितियों में कभी न टूटने वाला राष्ट्र-रक्षा का व्रत लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की शृंखला भारतीय इतिहास के पन्नों में अंकित है। आजाद का पूरा जीवन बार-बार अंग्रेजी सरकार को चुनौती देने और भारत माता को स्वतंत्र कराने में सहर्ष न्यौछावर हो गया।

ये बातें महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ इतिहास विभाग के प्रो. महेन्द्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'चन्द्रशेखर आजाद जयंती' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा.अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार समेत बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेट मौजूद रहे।

आजाद के आदर्शों से प्रेरणा लें : पं. रामप्रसाद बिस्मिल स्मारक भवन सिविल लाइन्स में पं.बिस्मिल के सम्पादक श्यामानन्द श्रीवास्तव की अध्यक्षता में भारत मां के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती मनाई गई।

उधर, आप आदमी पार्टी छात्रसभा के सचिव धनंजय शुक्ला के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस दौरान प्रबल प्रताप शाही, राजेश पांडेय, किशन जयसवाल, रामनगीना साहनी, समीर सिंह, मोहन शाही, एसएन शुक्ल मौजूद रहे।

रामप्रसाद बिस्मिल स्मारक के लोगों ने चन्द्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetna.in
गोरखपुर, शुक्रवार, 24 जुलाई 2015

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर श्रद्धांजलि

देशभक्तों के प्रेरणास्रोत हैं आजाद

- विभिन्न स्थानों पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन
- दिशा छात्र संगठन ने किया नुक्कड़ नाटक

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि देते लोग।

गोरखपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के जन्म दिवस पर लोगों ने उन्हें शिद्दत में याद किया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जंगल धूषण स्थित महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने चन्द्रशेखर आजाद को याद करते हुए उनके महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इतिहास विभाग के प्रो. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में कभी न टूटने वाला राष्ट्र रक्षा व्रत लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक चन्द्रशेखर आजाद भी थे। आजाद ने पूरा जीवन अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती देने तथा भारत माता के स्वतंत्रता के लिए न्यौछावर कर दिया। अपनी दृढ इच्छा शक्ति और निर्भीकता के बल पर उन्होंने अनेकों बार अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान सामाजिक राजनीतिक परिवेश में युवाओं में सामाजिक दायित्व का बोध कराने में स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों का जीवन चरित्र न केवल मूल्यवान है बल्कि आगे आने वाले चुनौतियों के समाधान का प्रबल माध्यम भी है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहें। इसी क्रम में नौजवान भारत सभा , दिशा छात्र संगठन व स्त्री मुक्ति लीग के तत्वावधान में चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर नुक्कड़ सभा, जुलूस व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राजू, राम अजोर, अमित, रामनाथ, अंगद, लाल चन्द्र, प्रतिमा, नीशू, विवेक, प्राची आदि नौजवान मौजूद रहें।

इसी क्रम पं. राम प्रसाद विस्मिल स्मारक भवन सिविल लाइन्स में पं. विस्मिल के सम्पादक श्यामानन्द श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आजाद की जयंती पर कार्यक्रम का व्याख्यान हुआ। चन्द्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित किया और अमर शहीद के नारों के साथ वक्ताओं ने अपने-अपने सम्बोधन में देश की वर्तमान राजनीति की दशा एवं दिशा पर चर्चा की। इस अवसर पर अश्वनी पाण्डेय, सुभाष उपाध्याय, गौतम लाल श्रीवास्तव, मोहन लाल गुप्ता, दीपक पाण्डेय, सुधाकर पाण्डेय, अमित कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहें।

सिटी टाइम्स
गोरखपुर, शुक्रवार, 24 जुलाई, 2015

आजाद ने भारत को आजाद कराने में जीवन किया न्यौछावर

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महाराणा प्रताप पीजी कालेज में चन्द्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई

चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर उपस्थित छात्र व छात्राएं। सिटी टाइम्स

जिला संवाददाता, गोरखपुर। विपरीत परिस्थितियों में कभी भी न टूटने वाला राष्ट्र रक्षा का व्रत लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की श्रृंखला भारतीय इतिहास के पन्नों में अंकित है। ऐसे सेनानियों में से एक चन्द्रशेखर आजाद भी थे। चन्द्रशेखर आजाद का पूरा जीवन बार-बार अंग्रेज सरकार को चुनौती देने तथा भारत माँ को स्वतंत्र कराने में संघर्ष न्यौछावर हो गया। मगर अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति और निर्भीकता के बल पर उन्होंने अनेक बार कायर और क्रूर ब्रिटिश सत्ता के दांत खट्टे कर दिये थे।

यह बातें इतिहास विभाग के प्रो. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कही। वह गुरुवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में चन्द्रशेखर आजाद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद में बाल्यावस्था से ही राष्ट्र-प्रेम और त्याग की भावना भरी हुई थी। चौदह वर्ष की उम्र में ही एक उच्च अंग्रेज अधिकारी के बर्बता पूर्ण कार्यवाही को देखकर इनका खून खौल उठा और उसे पत्थर मारकर घायल कर दिये। जिसके बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जब न्यायालय में जज ने इनका नाम पूछा गया तो उनका जवाब था आजाद, और यही आजाद आगे चलकर चन्द्रशेखर आजाद के नाम से प्रसिद्ध हुए। यह अपने जीवन के अन्त तक कभी भी अंग्रेज सरकार द्वारा बन्दी न बनाये जा सके।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में चन्द्रशेखर आजाद का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह व संचालन डा. कृष्ण कुमार ने किया।

आज
गोरखपुर, शुक्रवार, २४ जुलाई २०१५

स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा आजाद का बलिदान

१०८ वीं जयंती पर याद आये चन्द्रशेखर आजाद

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि समारोह

07 अगस्त 2015 को भारत के सर्व प्रतिष्ठित साहित्यकार राष्ट्र कवि रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि समारोह राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षण प्रशिक्षण विभाग के प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा ने कहा कि अपने ज्ञान कौशल से भारत की मेधा सम्पूर्ण विश्व में फहराने वाले गुरूदेव ने देश को स्वतंत्र कराने में जो वातावरण सृजित किया वह अतुलनीय है। देशवासियों में राष्ट्रीयता की भावना भरने और समाज को संगठित करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर आज भी प्रत्येक भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जब देश में हताश और निराश का वातावरण चारो ओर था उस समय उन्होंने जन–जन में राष्ट्रप्रेम की जो चेतना जागृत की वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार स्वयं सेवक श्री चन्द्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. आरती सिंह, डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री झब्बर शर्मा, श्री रमाकांत श्रीवास्तव, श्री अमित कुमार, श्री मुकेश शर्मा, श्री सुभाष कुमार, श्री प्रदीप यादव सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं तथा शिक्षक उपस्थित रहें।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • शनिवार • 08 अगस्त 2015 •

गुरुदेव रवीन्द्र का पूरा जीवन आजादी को समर्पित था

गोरखपुर। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी देशभक्तों में थे जिन्होंने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणास्रोत के रूप में वह हमेशा याद किये जाते रहेंगे। ये बातें महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बीएड विभाग के असिसटेंट प्रोफेसर डॉ.गोविन्द कुमार वर्मा ने कहीं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत मां को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। अपने ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के उन्नयन पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ.प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा आदि के अलावा काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, शनिवार, 8 अगस्त 2015

टैगोर कलम के सच्चे सिपाही : डा. वर्मा

❑ एम.पी.पी.जी. में टैगोर की पुण्यतिथि पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपने लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे क्रूर अंगेजी सरकार के पसीने छूट गये। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुर्नजीवित करने में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से एक जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत के रूप में उनको हमेशा याद किया जाता रहेगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज जुंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. गोविन्द कुमार वर्मा ने कहीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत माता को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर उनकी बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। राष्ट्र के प्रति समर्पित सपूतों में गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के अग्रणी हैं। उनके ल्याग और अमूल्य योगदान नवजनवानों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुनील कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डा. प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा, सुभाष कुमार, प्रदीप यादव, उमेश साहनी सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

दैनिक जागरण

गोरखपुर, 8 अगस्त 2015

सुस्त राष्ट्रीय चेतना को गुरुदेव ने किया पुनर्जीवित

गोरखपुर : स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपनी लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे अंग्रेजी सरकार के पसीने छूट गए। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुर्नजीवित करने में गुरुदेव टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान गुरुदेव टैगोर की पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बीएड विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डा. गोविन्द कुमार वर्मा ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर गुरुदेव की बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। अपने ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव के अलावा संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहे।

प्रशासन नहीं चेता तो बड़ा आंदोलन होगा। इनके बाबत डीएम को ज्ञापन भी सौंपा गया।प्रदर्शन में नरेंद्रध्वज सिंह, सुरेंद्र सोलंकी, उदयभान सिंह, रामभुआल, राजेश सोनकर, रणंजय सिंह जुगनू, ऋषिमोहन, आशीष गुप्ता, आशुतोष पांडेय, मनोज, मंजीत, संतोष वर्मा और हिमांशु आदि मौजूद थे।

चेतना विचारधारा / गोरखपुर सिटी

टैगोर कलम के सच्चे सिपाही : डा. वर्मा

❑ एम.पी.पी.जी. में टैगोर की पुण्यतिथि पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपने लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे क्रूर अंगेजी सरकार के पसीने छूट गये। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुर्नजीवित करने में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से एक जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत के रूप में उनको हमेशा याद किया जाता रहेगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज जुंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. गोविन्द कुमार वर्मा ने कहीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत माता को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर उनकी बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। राष्ट्र के प्रति समर्पित सपूतों में गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के अग्रणी हैं। उनके ल्याग और अमूल्य योगदान नवजनवानों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुनील कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डा. प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा, सुभाष कुमार, प्रदीप यादव, उमेश साहनी सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 8 अगस्त, 2015

स्वतंत्रता आन्दोलन में टैगोर का योगदान अविस्मरणीय: डॉ. गोविन्द

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपने लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे क्रूर अंग्रेजी सरकार के पसीने छूट गये। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुर्नजीवित करने में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से एक जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत के रूप में उनको हमेशा याद किया जाता रहेगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा ने कही। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत माता को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर उनकी बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। अपने ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। राष्ट्र के प्रति समर्पित सपूतों में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के अग्रणी है। उनके त्याग और अमूल्य योगदान नवजवानों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा, सुभाष कुमार, प्रदीप यादव, उमेश साहनी सहित स्वयं सेवक, सेविकाएं उपस्थित रहें।

स्वतंत्रता आंदोलन में टैगोर का योगदान अविस्मरणीय-डा.वर्मा

एमपी पीजी कॉलेज में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर व्याख्यान

गोरखपुर,७ अगस्त। स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपने लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे क्रूर अंग्रेजी सरकार के पसीने छूट गये। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुर्नजीवित करने में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से एक जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत के रूप में उनको हमेशा याद किया जाता रहेगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा ने कही। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा.अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत माता को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर उनकी बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। अपने ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। राष्ट्र के प्रति समर्पित सपूतों में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी है। उनके त्याग और अमूल्य योगदान नवजवानों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा, सुभाष कुमार, प्रदीप यादव, उमेश साहनी सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

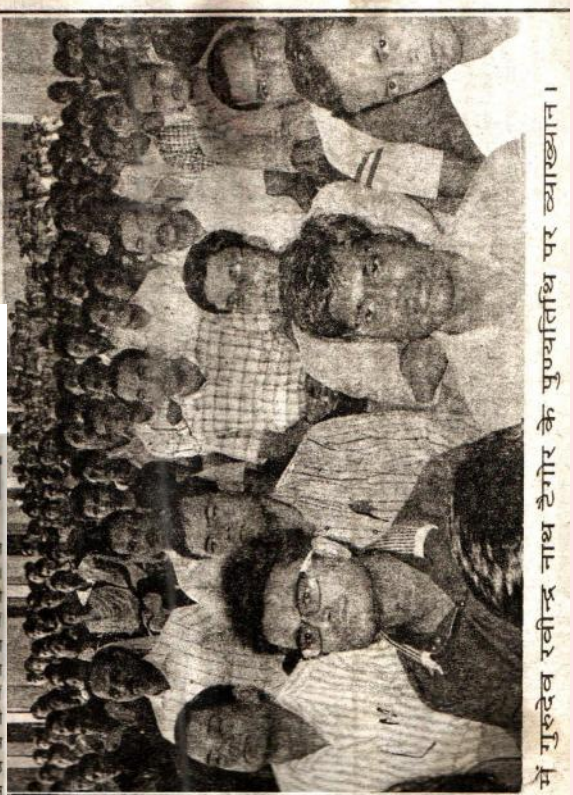

एम.पी.पी.जी. कालेज में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के पुण्यतिथि पर व्याख्यान।

समाचार पत्रों में...

सिटी टाइम्स
गोरखपुर, शनिवार, 8 अगस्त, 2015

स्वतंत्रता आन्दोलन में टैगोर का योगदान स्मरणीय

मंचासीन अतिथिगण एवं वक्ता। सिटी टाइम्स

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। स्वतंत्रता आन्दोलन में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का योगदान अविस्मरणीय है। अपने लेखनी के बल पर इस कलम के सिपाही ने जिस प्रकार जन आन्दोलन को गति प्रदान किया उससे क्रूर अंग्रेजी सरकार के पसीने छूट गये। 1857 के बाद सुस्त पड़ी राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर उन अग्रणी राष्ट्रभक्तों में से एक जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वर्तमान पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत के रूप में उनको हमेशा याद किया जाता रहेगा।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा ने कही। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपना पूरा जीवन भारत माता को स्वतंत्र कराने में लगा दिया। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर उनकी बहुत ही गम्भीर दृष्टि थी। अपने ग्रन्थों में उन्होंने मातृभाषा में भारतीय शिक्षा पद्धति के विकास पर अत्यधिक बल दिया है। राष्ट्र के प्रति समर्पित सपूतों में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के अग्रणी है। उनके त्याग और अमूल्य योगदान नवजवानों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार राव, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, रमाकान्त श्रीवास्तव, अमित कुमार, मुकेश शर्मा, सुभाष कुमार, प्रदीप यादव, उमेश साहनी सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री गोविन्द कुमार वर्मा

कार्यक्रम में शिक्षक एवं स्वयं सेवक

कार्यक्रम में शिक्षिकाएं एवं स्वयं सेविकाएं

शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस कार्यक्रम

12 अगस्त 2015 को भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्वांचल का उस संग्राम में प्रतिनिधित्व करने वाले अमर शहीद बन्धू सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्वांचल के इस लाल ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के द्वारा भारत माँ को स्वतंत्र कराने हेतु हंसते–हसंते अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। इससे प्रेरित होकर हजारों लोगों ने आगे चलकर अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंका। अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम का संचालन श्री आशीष राय तथा आभार ज्ञापन सुश्री तनु कुमारी ने किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अपर्णा मिश्रा, श्री गोविन्द कुमार वर्मा, श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री झब्बर शर्मा, श्री गौरव श्रीवास्तव सहित स्वयं सेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • गुरुवार • 13 अगस्त 2015 •

शहीद बन्धू सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

शहादत दिवस

गोरखपुर | निज संवाददाता

अमर शहीद बंधू सिंह के 157वें शहादत दिवस पर बुधवार को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। अलीनगर स्थित उनके स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन अमर शहीद बंधू सिंह स्मारक समिति ने किया।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सीताराम जायसवाल ने कहा कि दुनिया के इतिहास में यह पहली और आखिरी घटना होगी, जिसमें किसी को फांसी देते वक्त फंदा सात बार टूटा हो। ऐसे शहीद की शौर्य गाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

सभा को पुष्पदंत जैन, विनय सिंह, शीतल पाण्डेय, डॉ.धर्मेन्द्र सिंह, जितेन्द्र राय, कामेश्वर सिंह, अशोक शाही आदि ने संबोधित किया। श्रद्धांजलि देने वालों में जितेन्द्र सैनी, राधेश्याम रावत, श्याम सिंह, प्रवीण गुंजन, धनंजय पाण्डेय, ऋषि तिवारी, शशि सिंह, कृष्णा सिंह आदि मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में भी शहीद बन्धू सिंह का शहादत दिवस मनाया गया। मौके पर छात्र-छात्राओं ने उनके बलिदान से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

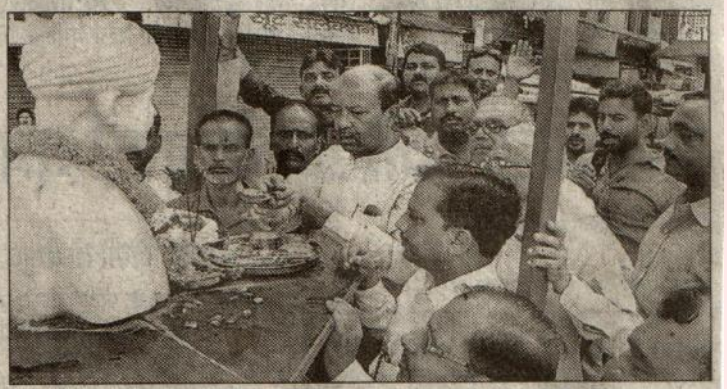

अमर शहीद बंधू सिंह के अलीनगर स्थित स्मारक पर लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

समाचार पत्रों में...

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 13 अगस्त, 2015

शहीद बन्धु सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में: डा. अविनाश

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन मे अमर शहीद बन्धु सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। पूर्वांचल के नौजवानों को संगठित करके अठ्ठारह सौ सत्तावन के महासमर में उन का योगदान अतुलनीय है। अपने पूरे परिवार के साथ भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में कूदने वाले शहीद बन्धू सिंह पर प्रत्येक पूर्वांचलवासी को गर्व है। यह बाते महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में अन्तराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 1857 की क्रान्ति में शहीद बन्धु सिंह का योगदान विषय पर बोलते राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कही।

इस अवसर पर बीएड विभाग के प्रशिक्षार्थी योगेश कुमार कन्नौजिया ने कहा कि भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक परम्पराओं को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने की महती आवश्यकता है। शिक्षा पाठ्यक्रमों में ऐसे सिानीय स्वतंत्र वीरों की जीवन गाथा को सम्मिलित किया जाना चाहिए।

शैक्षिक पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र प्रेम को जागृत करने वाले तथ्यों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि युवा पीढ़ी आज के इस भौतिकवादी युग में अपने परम्परा और जीवन दर्शन से सवर्था अनभिज्ञ है, उनको इसका ज्ञान कराया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आशीष राय ने किया इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, मुकेश शर्मा, रमाकान्त, अमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र, छात्राएं उपस्थित रहें।

व्याख्यान आज

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर 'अखण्ड भारत वीर सावरकर एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया' विषय पर 13 अगस्त को प्रतिष्ठित इतिहासकार ईश्वर शरण डिग्री कालेज, इलाहाबाद के प्राचार्य डॉ. आनन्द शंकर सिंह का व्याख्यान होगा। यह जानकारी महाविद्यालय के सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने दी।

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर, गुरूवार, 13 अगस्त 2015

बन्धू सिंह के 157वां शहादत दिवस

नौजवान अपने राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास को रखें याद : सीताराम

❑ शहदी बन्धु सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

गोरखपुर। शहीद बन्धू सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर अमर शहीद बन्धू सिंह स्मारक समिति के तत्वावधान श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

अलीनगर चौक पर स्थित अमर शहीद बन्धू सिंह के प्रतिमा पुष्पांजलि एवं माल्यापर्ण कर लोगों ने उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित याद किया। बन्धू सिंह के 157वे शहादत दिवस पर पुष्पांजलि सभा के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सीताराम जायसवाल उपस्थित थे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि सीताराम जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार को चाहिए कि शहीद बन्धू सिंह जैसे महायोद्धा के इतिहास को बच्चों के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाय ताकि देश का नौजवान अपने राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास को हमेशा याद करते हुए राष्ट्र की चुनौतियों से सामना करने का उनमें जज्बा पैदा हो सके।

शहीद बन्धू सिंह के वंशज विनय कुमार सिंह 'बिन्नू' ने कहा कि दुनिया के इतिहास में यह पहली और आखिरी घटना है जिसमें सात बार फांसी का फंदा टूटने का कहीं इतिहास नहीं है। ऐसा इतिहास सिर्फ गोरखपुर की माटी को प्राप्त है जिसमें बंधू सिंह का सात बार फांसी का फंदा टूटा था। श्रद्धांजलि सभा में पुष्पदंत जैन, शीतल पाण्डेय, डा. धर्मेन्द्र सिंह, जितेन्द्र राय, कामेश्वर सिंह, अशोक शाही, जितेन्द्र सैनी, राधेश्याम रावत, विजय नारायण, प्रवीण कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

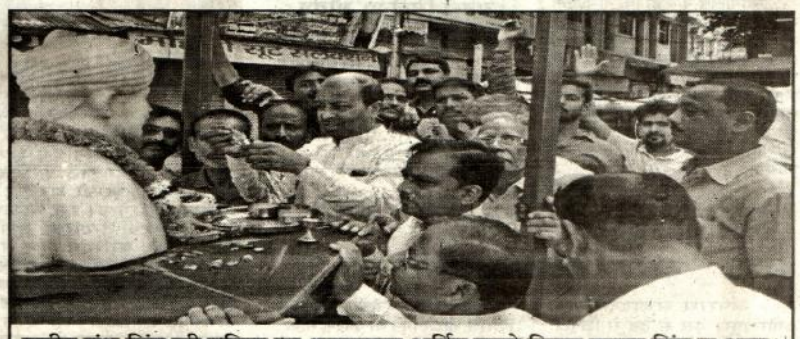

शहीद बंधु सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विनय कुमार सिंह व अन्य।

पूर्वांचलवासियों के गौर है बन्धू सिंह

गोरखपुर। भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में अमर शहीद बन्धू सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। पूर्वांचल के नवजवानों को संगठित करके अठ्ठारह सौ सत्तावन के महानगर में उनका योगदान अतुलनीय है। अपने पूरे परिवार के साथ भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में कूदने वाले शहीद बन्धू सिंह पर प्रत्येक पूर्वांचलवासी को गर्व है। उक्त बातें अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 1857 की क्रान्ति में शहीद बन्धू सिंह का योगदान विषय पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित गोष्ठी के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कही। उन्होंने कहा हम सौभाग्यशाली है कि ऐसी भूमि पर जन्म लिये है जिसको वीरों ने अपने रक्त से प्रज्वलित किया है। इस अवसर पर बीएड विभाग के प्रशिक्षार्थी योगेश कुमार ने कहाकि भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक परम्पराओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने की महती आवश्यकता है। शिक्षा पाठ्यक्रमों में ऐसे स्थानीय स्वतंत्र वीरो की जीवन गाथा को समलित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आशीष राय ने किया। इस मौके पर डा. विजय कुमार , डा. अपर्णा मिश्रा, डा. गोविन्द कुमार, संजय कुमार, झब्बर शर्मा, मुकेश शर्मा, रमाकान्त, अमित शर्मा सहित छात्राए उपस्थित थे।

समाचार पत्रों में...

सिटी टाइम्स

गोरखपुर, गुरुवार, 13 अगस्त, 2015

बन्धू सिंह पर प्रत्येक पूर्वांचलवासी को गर्व

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में अमर शहीद बन्धु सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। अपने पूरे परिवार के साथ भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में कूदने वाले शहीद बन्धू सिंह पर प्रत्येक पूर्वांचलवासी को गर्व है। हम सौभाग्यशाली है कि, ऐसी भूमि पर जन्म लिये है जिसको वीरों ने अपने रक्त से प्रज्ज्वलित किया है। उन्होने अपने अद्भुत गोरिल्ला शैली द्वारा शक्तिशाली अंग्रेजी हुकुमत को हिला दिया। पूर्वांचल के नौजवानों के प्रेरणा स्रोत के रूप में शहीद वन्धु सिंह को याद किया जाता रहेगा।

उक्त बाते महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर में अन्तराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 1857 की क्रान्ति में शहीद बन्धु सिंह का योगदान विषय पर बोलते राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कही।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में मंचासीन अतिथिगण।

इस अवसर पर बीएड विभाग के प्रशिक्षार्थी योगेश कुमार कन्नौजिया ने कहा कि भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक परम्पराओं को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने की महती आवश्यकता है। शिक्षा पाठ्यक्रमों में ऐसे स्थानीस स्वतंत्र वीरों की जीवन गाथा को सम्मिलित किया जाना चाहिए। शैक्षिक पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र प्रेम को जागृत करने वाले तथ्यों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि युवा पीढ़ी आज के इस भौतिकवादी युग में अपने परम्परा और जीवन दर्शन से सर्वथा अनभिज्ञ है, उनको इसका ज्ञान कराया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आशीष राय ने किया इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा, संजय कुमार शर्मा, झब्बर शर्मा, मुकेश शर्मा, रमाकान्त, अमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 13 अगस

एमपीपीजी के छात्रों ने किया नमन

गोरखपुर : महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बंधू सिंह के शहादत दिवस पर उन्हें याद करते हुए नमन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में अमर शहीद बंधू सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। पूर्वांचल के नौजवानों को संगठित करके 1857 के महासमर में उनका योगदान अतुलनीय है। संचालन आशीष राय ने किया। इस अवसर पर डा. विजय कुमार चौधरी, डा.अपर्णा मिश्रा समेत अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

कार्यक्रम में शिक्षक, स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री सुबोध कुमार मिश्र

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2015 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सेदारी किया। ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गई।

ध्वजारोहण में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं सहित विद्यार्थी

समारोह में अपना विचार व्यक्त करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

समारोह में गीत प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

'राष्ट्रीय सेवा योजना और युवा' विषय पर व्याख्यान

23 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय सेवा योजना और युवा' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कहा कि युवाओं में कौशल विकास और नैतिक मूल्यों का विकास करके भारत को सबल राष्ट्र बनाया जा सकता है। युवाओं में असीम ऊर्जा होती है लेकिन उसका उचित प्रयोग न होने के कारण वह विध्वंसक बनता जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवा शक्ति को राष्ट्रहित में लगाने का निरंतर प्रेरणा और मार्गदर्शन देता है। कार्यक्रम को इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा के सामर्थ्य पर ही देश का भविष्य आधारित है। जागृत युवा ही जागृत भारत की पहचान है। कार्यक्रम में प्राचीन इतिहास विभाग के श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा को संगठित स्वरूप प्रदान करके उनको सही दिशा देना ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक संवेदना को जागृत करने में युवाओं की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। युवाओं में रचनात्मक दृष्टि विकसित करना राष्ट्रीय सेवा योजना का मूलमंत्र है।

इस अवसर पर गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाईयों में सदस्यता हेतु पंजीकरण किया गया। साथ ही साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं और उसके उद्देश्यों पर भी विस्तृत चर्चा की गयी।

स्पष्ट आवाज़

लखनऊ, सोमवार, 24 अगस्त, 2015

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश : डा. प्रवीन्द्र

गोरखपुर। भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा हैं जरूरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगाने की तभी राष्ट्रीय विकास में इनका महती योगदान लिया जा सकता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। देश के भविष्य निर्माता इन युवा शक्ति में रचनात्मक दृष्टि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विकसित किया जाना चाहिए। ऐसे युवा जो वास्तव में समाज और राष्ट्र के बीच संवेदनशील है, उसको आगे बढ़कर इस प्रकल्प का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का प्रबल साधन बनकर उभर सकता है। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहें।

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, सोमवार, 24 अगस्त 2015

युवा शक्ति और भारत का भविष्य पर हुआ मंथन

❑ राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डा. प्रवीन्द्र कुमार ने कही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा हैं जरूरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगाने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में...

पायनियर

लखनऊ, सोमवार 24 अगस्त, 2015

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश: डॉ. प्रवीन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुन: एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। यह बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा हैं जरूरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगाने की तभी राष्ट्रीय विकास में इनका महती योगदान लिया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। ऐसे युवा जो वास्तव में समाज और राष्ट्र के बीच संवेदनशील है, उसको आगे बढ़कर इस प्रकल्प का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का प्रबल साधन बनकर उभर सकता है। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया।

अमर उजाला

गोरखपुर, सोमवार २४ अगस्त २०१५

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश-डा. प्रवीन्द्र कुमार

गोरखपुर, २३ अगस्त। भारत सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्रका उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनियाके विकसित देश अपने युवाओंके बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारतका युवा जागृत हो जाय तो पुन:एक बार भारत विश्व शक्तिके रूपमें उभर सकता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी.कालेजमें राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधानमें युवा शक्ति और भारतका भविष्य पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभागके अस्सिटेंट प्रोफेसर डा. प्रवीण कुमार ने कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभागके इस्सिटेंट प्रोफेसर डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देशमें परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रमके विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहासके प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्रने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा है जरुरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगानेकी तभी राष्ट्रीय विकासमें इनका महती योगदान लिया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजनाके प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकतामें युवाकी भूमिका तयी जानी चाहिए। देशके भविष्य निर्माता इन युवा शक्तिमें रचनात्मक दृष्टि राष्ट्रीय सेवा योजनाके माध्यम से विकसित किया जाना चाहिए। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजनाकी सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय अनुप त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

सिटी टाइम्स
गोरखपुर, सोमवार, 24 अगस्त, 2015

भारत युवाओं का सबसे बड़ा देश : डा. प्रवीन्द्र

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते मुख्य वक्ता। सिटी टाइम्स

जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा : डा. महेन्द्र प्रताप

भारतीय युवाओं में असीम ऊर्जा है, जरूरत है सही स्थान पर लगाने की : सुबोध कुमार मिश्र

राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का प्रबल साधन : डा. अविनाश प्रताप सिंह

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। भारत विश्व का युवा शक्ति वाला सबसे बड़ा देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा है जरूरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगाने की तभी राष्ट्रीय विकास में इनका महती योगदान लिया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। ऐसे युवा जो वास्तव में समाज और राष्ट्र के बीच संवेदनशील है, उसको आगे बढ़कर इस प्रकल्प का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का प्रबल साधन बनकर उभर सकता है। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहें।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 24 अगस्त 2015

युवा ही बनाएंगे भारत को विश्वगुरु

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : भारत, विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है।

यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. प्रवीन्द्र कुमार ने कही। मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवा असीम ऊर्जा से लैस है, जरूरत है उन्हें सही दिशा-निर्देशन की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • सोमवार • 24 अगस्त 20

युवाओं के बल पर ही शक्तिशाली बनेगा देश

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'युवा शक्ति और भारत का भविष्य' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.प्रवीन्द्र कुमार ने कहा कि देश युवाओं के बल पर ही शक्तिशाली बन सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि देश का युवा जागृत हो जाए तो भारत एकबार फिर विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यकालीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.महेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र, एनएसएस के प्रभारी डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर | सोमवार | 24 अगस्त 2015

युवा शक्ति से ही शक्तिमान बनता है देश : डॉ. प्रवींद्र

गोरखपुर (एसएनबी)। भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान व विकासमान बने हैं। भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं में असीम ऊर्जा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तूफान
गोरखपुर
सोमवार, 24 अगस्त 2015

युवाओं को जागृत होने की जरूरत: डॉ. प्रवीन्द्र

युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

जंगल धूसड़। भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कहा। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मध्यकालीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा है।

जरूरत है उसको ठीक ढंग से सही स्थान पर लगाने की तभी राष्ट्रीय विकास में इनका महती योगदान लिया जा सकता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। देश के भविष्य निर्माता इन युवा शक्ति में रचनात्मक दृष्टि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विकसित किया जाना चाहिए। ऐसे युवा जो वास्तव में समाज और राष्ट्र के बीच संवेदनशील है, उसको आगे बढ़कर इस प्रकल्प का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का प्रबल साधन बनकर उभर सकता है। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया।

इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहें।

अपूर्व 24.08.2015 सोमवार

युवाओं के बल पर ही शक्तिमान बनेगा अपना देश : डा प्रवीन्द्र

गोरखपुर। भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिमान विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाय तो पुनः एक बार भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा शक्ति और भारत का भविष्य विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यकालीन इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं के असीम ऊर्जा है जरूरत है उसको ठीक ढं- से सही स्थान पर ल-ाने की तभी राष्ट्रीय विकास में इनका महती योगदान लिया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। देश के भविष्य निर्माता इन युवा शक्ति में रचनात्मक दृष्टि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विकसित किया जाना चाहिए। ऐसे युवा जो वास्तव में समाज और राष्ट्र के बीच संवेदनशील हैं।

गोरखपुर

गोरखपुर | सोमवार • 24 अगस्त • 2015

'युवाओं के बल पर देश बनता है शक्तिशाली'

अमर उजाला ब्यूरो

डॉ विवेक निगम

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 'युवा शक्ति और भारत का भविष्य' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने युवाशक्ति को किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण बताया।

रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवींद्र कुमार ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र का उज्जवल भविष्य उसके युवा शक्ति पर निर्भर करता है। दुनिया के विकसित देश अपने युवाओं के बल पर ही शक्तिशाली विकासमान बने हैं। यदि भारत का युवा जागृत हो जाए तो एक बार फिर से भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर सकता है। इस मौके पर मुख्य अ ति थि म ध्य का ली न इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है जब युवा शक्ति जागृत हुई है तभी देश में परिवर्तन हुआ है और देश आगे बढ़ा है। विशिष्ट अतिथि सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय युवाओं में असीम ऊर्जा है। डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय निर्माण और सामाजिक जागरूकता में युवा की भूमिका तय की जानी चाहिए। पूर्व स्वयंसेवक आशीष राय एवं अनुपम त्रिपाठी आदि रहे।

कार्यक्रम में मंचासीन डॉ. प्रवीन्द्र कुमार, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री आशीष राय

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सेवक

व्याख्यान कार्यक्रम को सम्बोधित डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

'राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मातृ शक्ति' विषय पर व्याख्यान

24 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मातृ शक्ति'' विषय पर व्याख्यान में गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. शक्ति सिंह ने कहा कि भारत के निर्माण में सनातन काल से महिलाओं का विशेष योगदान एवं महत्वपूर्ण स्थान रहा है। जबकि यह अनुभव होता है कि पूर्वांचल में महिलाएं अपनी क्षमता और ऊर्जा से सामान्य तौर पर अपरिचित रहती है। उनमें आत्म विश्वास की भी अत्यधिक कमी होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना वह मंच है जो आत्मबोध का भाव भरकर आत्मविश्वास जगाने का कार्य करता है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने कहा कि बदलते हुए सामाजिक एवं राजनीतिक परिवेश में महिलाओं को अपनी भूमिका और महत्व पहचाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। राष्ट्र और समाज में उनको पुरूषों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने करते हुए कहा कि देश की आधी आबादी यदि जागृत हो जाय तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को पुनः विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनने से नहीं रोक सकता है। कार्यक्रम में संचालन एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया। इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं का गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दु सूर्य महाराणा प्रताप इकाई में पंजीकरण किया गया। साथ ही साथ उनको राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम और कार्यपद्धति की जानकारी दी गयी।

व्याख्यान कार्यक्रम को सम्बोधित करतीं डॉ. शक्ति सिंह

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कार्यक्रम अधिकारी

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम में पंजीकृत स्वयं सेविकाएं

स्वैच्छिक श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय में प्रतिवर्ष संचालित होने वाला स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम का शुभारम्भ 6 सितम्बर को हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के समस्त स्वयं सेवकों की सहभागिता तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शिक्षक के नेतृत्व में टोली बनाकर श्रमदान का कार्यक्रम सम्पन्न होता है। स्वयं सेवक तथा स्वयं सेविकाओं की टोली बनाकर निर्धारित स्थान पर श्रमदान होता है। स्वैच्छिक श्रमदान का कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को 11.30 बजे से 12.50 बजे तक होता है। उस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में स्वयं सेविकाएं

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में स्वयं सेविकाएं

स्वैच्छिक श्रमदान में ठोलीवार श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

स्वैच्छिक श्रमदान में ठोलीवार श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

स्वैच्छिक श्रमदान में ठोलीवार श्रमदान करते स्वयं सेवक

शौचालय की सफाई करते स्वयं सेवक

शौचालय की सफाई करते स्वयं सेवक

शौचालय की सफाई करते प्राचार्य एवं स्वयं सेवक